प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

श्रीसमवसरण में प्रवचन

कथनी करनी में समानता हो – आचार्यश्री महाश्रमण

सरदारशहर 11 जुलाई , 2010

धम्मपद के चौथे अध्याय में कहा गया है कि एक आदमी बातें बहुत करता है परंतु उसका आचरण बातों के अनुरूप नहीं होता है तो एक सुंदर फूल दिखने में अच्छा है किंतु उसमें गंध नही है, इसी तरह ऊंची बातें बोलने वाला गंध हीन फूल क बराबर होता है – कथनी करनी में गतिशीलता होनी चाहिए।

उक्त विचार आचार्यश्री महाश्रमण ने रविवार को श्रीसमवसरण में उपस्थित धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि संकल्प एक ऐसी शक्ति है जिसके द्वारा व्यक्ति कथनी और करनी में समानता ला सकता है, उन्होंने कहा कि धर्मग्रंथों में अच्छी-अच्छी बातें होती है उनका अनुसरण करना चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित ज्ञानशाला के बच्चों की ओर इंगित करते हुए आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि बच्चों को ज्ञानशाला के माध्यम से अच्छे संस्कार दिये जाते हैं। ज्ञानशाला के माध्यम से नई पीढो को सिंचन देने का कार्य किया जा रहा है। बच्चों में शुरू से ही अहिंसा, नैतिकता, ईमानदारी, व्यसनमुक्त रहने का संकल्प करवाया जाता है और ये बच्चे आगे जाकर अच्छे नागरिक बन सकते हैं, अच्छे कार्यकर्त्ता बन सकते हैं वह परिवार में समस्या नहीं समाधान देने वाल बन सकते हैं। धीरे-धीरे इनमें विवेक चेतन जागनी चाहिए। विवेक चेतना जगा देने स समाज की पवित्र सेवा कर सकते है।

आचार्य महाप्रज्ञ की जन्मजयंति के अवशिष्ट कार्यक्रम में साध्वी अमृतकुमारी, साध्वी उज्जवलरेखा ने समूह गीत द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त की।

इस अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतनदुगड़, कोषाध्यक्ष राजकरन सिरोहिया आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद द्वारा तीन दिवसीय संगोष्ठी का दूसरा दिन

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद द्वारा आयोजित अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रभारी प्रशिक्षकों की संगोष्ठी के दूसरे दिन फतेहपुर के अहिंसा प्रशिक्षक उपस्थित होकर आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन किये।

इस अवसर पर आचार्यश्री महाश्रमण ने राष्ट्रीय अणुव्रत शिक्षक संसद के संयोजक भीखमतचन्द नखत कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भीखमतचन्द नखत अपना अधिक समय गुरुकुलवास में, सेवा में लगाते हैं, यहां से ये अनेक जगहों की यात्रा करते रहते हैं, उन्होंने यह भी कहा कि एक तरह से संघीय परिवार है। अणुव्रत की बात इनके दिमाग में आग गई और ये चुम्बक की तरह आकृष्ट हो गये, अनेक लोगों को अणुव्रत के कार्यों स जोड़कर सेवा का कार्य कर रहे हैं।

अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल ने कहा कि मुख्यतः कार्यकर्ता अपना प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए यहां उपस्थित हुए हैं, कार्यकर्त्ता अपने-अपने क्षेत्रों में लग्न से काम कर रहे हं, बहुत से ऐसे क्षेत्र छत्तीसगढ़ आदि ऐसी जगहों पर अहिंसा प्रशिक्षण कार्य चल रहा है, नक्सलवाद के क्षेत्र में भी हैं अहिंसा प्रशिक्षण का कार्य चल रहा है।

फतेहपुर के अहिंसा प्रशिक्षण का कार्य करने वाले शतिस शांडिल्य ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

शीतल बरड़िया

मीडिया संयोजक